१२. स्वतंत्रता प्राप्ति

द्वितीय विश्वयुद्ध के समय भारत का स्वाधीनता संग्राम व्यापक बन गया था । भारत की स्वतंत्रता की माँग जोर पकड़ती जा रही थी । उसका गंभीरता से विचार करना आवश्यक है; इसका बोध अंग्रेज शासकों को हुआ । इस दृष्टि से भारत को स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए अंग्रेज सरकार विभिन्न योजनाएँ बनाने लगीं ।

राष्ट्रीय कांग्रेस का निर्माण धर्मनिरपेक्षता सिद्धांत पर हुआ था । राष्ट्रीय आंदोलन में सभी जाति-धर्मों के लोग सम्मिलित हुए थे । अंग्रेजों ने इस आंदोलन को दुर्बल बनाने के लिए 'फूट डालो और राज करो' की नीति का अवलंब किया था । इसका परिणाम 'मुस्लिम लीग' की स्थापना में हुआ ।

१९३० ई. में प्रसिद्ध कवि डॉ.मुहम्मद इकबाल ने स्वतंत्र मुस्लिम राष्ट्र का विचार रखा । कालांतर में चौधरी रहमत अली ने पाकिस्तान की संकल्पना प्रस्तुत की । बैरिस्टर मुहम्मद अली जिन्ना ने द्विराष्ट्र का सिद्धांत रखकर स्वतंत्र मुस्लिम राष्ट्र अर्थात पाकिस्तान की माँग की । राष्ट्रीय कांग्रेस केवल हिंदुओं का संगठन है । इस संगठन से मुस्लिमों को कोई लाभ नहीं होगा; ऐसा प्रचार बै.जिन्ना और मुस्लिम लीग ने प्रारंभ किया ।

[illegible] रोजना : जून १९४५ ई. में भारत के वायसराय लॉर्ड वेवेल ने एक योजना बनाई । इस योजना में विभिन्न प्रावधान थे । इसमें केंद्रीय और प्रांतीय विधान मंडल में मुस्लिम, दलित और अल्पसंख्यकों को यथोचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा । वायसराय के कार्यकारी मंडल में हिंदू और मुस्लिम सदस्यों की संख्या समान रहेगी, जैसे कुछ प्रमुख प्रावधान थे । इस योजना पर विचार-विमर्श करने हेतु शिमला में भारत के प्रमुख राजनीतिक दलों की बैठक बुलाई गई । बै.जिन्ना ने आग्रह किया कि वायसराय के कार्यकारी मंडल में मुस्लिम प्रतिनिधियों के नाम सुझाने का अधिकार मात्र मुस्लिम लीग को होना चाहिए । राष्ट्रीय कांग्रेस ने इसका विरोध किया । परिणामतः वेवेल योजना सफल नहीं हो सकी ।

मं रोजना : द्वितीय विश्वयुद्ध के समाप्त होने के पश्चात भारत को स्वतंत्रता देने के लिए ब्रिटिश शासक अनुकूल बने । ब्रिटिश प्रधानमंत्री एटली ने पार्लियामेंट में भारत के विषय में नीति स्पष्ट कर दी । इसके अनुसार भारत की जनता का भारतीय संविधान निर्माण करने का अधिकार मान्य किया गया । यह भी स्पष्ट किया गया कि अल्पसंख्यकों की समस्याएँ और मुद्दे भारत की स्वतंत्रता के आड़े नहीं आएँगे । १९४६ मार्च ई. में ब्रिटिश मंत्री पैथिक लॉरेंस, स्टैफोर्ड क्रिप्स और ए.वी.अलेक्जांडर के प्रतिनिधि मंडल ने भारत के संदर्भ में इंग्लैंड की योजना को भारतीय नेताओं के सम्मुख रखा । इस योजना को 'त्रिमंत्री योजना' कहते हैं ।

इस योजना में निहित कुछ प्रावधान राष्ट्रीय कांग्रेस को स्वीकार नहीं थे । इसी तरह; इस योजना में मुस्लिमों के स्वतंत्र राष्ट्र की स्थापना का प्रावधान नहीं था । अतः मुस्लिम लीग भी असंतुष्ट थी । परिणामस्वरूप त्रिमंत्री योजना पूर्णतः स्वीकार नहीं हुई ।

त कृलतलदसि : पाकिस्तान के निर्माण की माँग पूर्ण नहीं हो रही है; यह देखकर मुस्लिम लीग ने प्रत्यक्ष कृति करने का निश्चय किया । इसके अनुसार मुस्लिम लीग ने १६ अगस्त १९४६ ई. को प्रत्यक्ष कृति दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की । इस दिन मुस्लिम लीग के अनुयायियों ने हिंसक मार्ग का अवलंब किया । देश में विभिन्न स्थानों पर हिंदू-मुस्लिम दंगे-फसाद हुए । बंगाल प्रांत में नौखाली में भयंकर हत्याएँ हुईं । इस हिंसा को रोकने के लिए गांधीजी अपने प्राणों की परवाह किये बिना वहाँ गए । वहाँ शांति स्थापित करने के लिए उन्होंने प्रयासों की पराकाष्ठा की ।

अ्थार ी सरकार का गठन : जब देश में हिंसा की आग धधक रही थी; तब वायसराय वेवेल ने अस्थायी सरकार का गठन किया । पं.जवाहरलाल नेहरू इस सरकार के प्रमुख थे । अस्थायी सरकार में सम्मिलित न होने का निर्णय प्रारंभिक समय में मुस्लिम लीग ने लिया था । आगे चलकर मुस्लिम लीग अस्थायी सरकार में सम्मिलित हुई परंतु मुस्लिम लीग के नेताओं ने अड़ियल नीति अपनाने के कारण अस्थायी सरकार का प्रशासन सुचारु रूप से चल नहीं सका ।

माउंबेनि रोजना : इंग्लैंड के प्रधानमंत्री एटली ने घोषणा की कि जून १९४८ ई. के पहले इंग्लैंड भारत में अपनी सत्ता को समाप्त कर देगा । भारत में होने वाले सत्तांतर की पृष्ठभूमि में भारत के वायसराय के रूप में लॉर्ड माउंटबेटन को नियुक्त किया गया । लॉर्ड माउंटबेटन ने भारत के प्रमुख नेताओं के साथ विचार-विमर्श किया । इसके पश्चात उन्होंने भारत और पाकिस्तान इन दो स्वतंत्र राष्ट्रों के निर्माण की योजना बनाई । राष्ट्रीय कांग्रेस का विभाजन को विरोध था । राष्ट्रीय कांग्रेस की भूमिका का मूल आधार देश की एकता था परंतु मुस्लिम लीग पाकिस्तान के निर्माण की हठवादिता पर उतर आई

थी । फलतः विभाजन के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं बचा था । राष्ट्रीय कांग्रेस ने निरुपाय होकर विभाजन के निर्णय को स्वीकार किया ।

भारतीर ्ि का कानून : माउंटबेटन की बनाई हुई योजना के आधार पर १८ जुलाई १९४७ ई. को इंग्लैंड के पार्लियामेंट ने भारत की स्वतंत्रता का कानून पारित किया । इस कानून में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार १५ अगस्त १९४७ ई. को भारत और पाकिस्तान का स्वतंत्र राष्ट्रों के रूप में निर्माण होगा । इसके पश्चात इन राष्ट्रों पर ब्रिटिश पार्लियामेंट का कोई भी अधिकार नहीं रहेगा । रियासतों पर भी ब्रिटिशों का कोई स्वामित्व नहीं रहेगा । वे भारत अथवा पाकिस्तान में सम्मिलित हो सकते हैं अथवा स्वतंत्र रह सकते हैं ।

्ि ख : भारतीय स्वतंत्रता कानून के अनुसार १५ अगस्त १९४७ ई. को भारत को स्वतंत्रता प्रदान की गई । १४ अगस्त १९४७ ई. की मध्यरात्रि को दिल्ली के संसद भवन के सभागार में संविधान सभा की बैठक हो रही थी । मध्यरात्रि के बारह बजे और भारत की पराधीनता समाप्त हुई । ब्रिटिशों का यूनियन जैक नीचे उतारा गया और उसके स्थान पर भारत का तिरंगा झंडा फहराया गया । डेढ़ सौ वर्षों की पराधीनता से भारत स्वतंत्र हुआ ।

स्वतंत्रता का आनंद विशुद्ध आनंद नहीं था । देश का विभाजन हुआ । विभाजन को लेकर भयंकर हिंसा हुई थी । इस हिंसा से भारतीय जनता के मन दुखी थे । स्वतंत्रता समारोह में गांधीजी सम्मिलित नहीं हुए थे । उस समय वे बंगाल में शांति स्थापित करने के लिए एड़ी-चोटी का पसीना बहा रहे थे । भारत स्वतंत्र होने के केवल छह महीने में ३० जनवरी १९४८ ई. को नथूराम गोडसे ने गांधीजी की जघन्य हत्या की । हिंदू-मुस्लिम एकता को बनाए रखने के लिए गांधीजी रात-दिन परिश्रम करते रहे और इसके लिए उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया ।

्ि धार

१. लद् गए तक्कि से उलच्च तक्कि चुनकर कथन पुनः लर्ि ो ।

(१) ..... अस्थायी सरकार के प्रमुख थे ।
(अ) वल्लभभाई पटेल (ब) महात्मा गांधी
(क) पं.जवाहरलाल नेहरू (ड) बै.जिन्ना

(२) भारत और पाकिस्तान के रूप में दो स्वतंत्र राष्ट्रों का निर्माण करने की योजना ..... ने तैयार की ।
(अ) लॉर्ड वेवेल (ब) स्टैफर्ड क्रिप्स
(क) लॉर्ड माउंटबेटन (ड) पैथिक लॉरेंस

२. लम्म के उत्तर एक-एक िवक्र लर्ि ो ।

(१) बै.जिन्ना ने किस माँग का हठवादिता से समर्थन किया ।
(२) त्रिमंत्री योजना में सहभागी मंत्रियों के नाम लिखो ।

३. लम्म को कारण सलह् प करो ।

(१) राष्ट्रीय कांग्रेस ने विभाजन को स्वीकार किया ।
(२) अस्थायी सरकार का प्रशासन सुचारु रूप से चल नहीं सका ।
(३) वेवेल योजना सफल नहीं हो सकी ।

४. दी गई कार्ि ेा पर घनि म लर्ि ो ।

१९४५ ई. १९४६ ई. १९४७ ई. १९४८ ई.

५. लम्म के उत्तर ल्ि ा र लर्ि ो ।

(१) ब्रिटिशों ने भारत को स्वतंत्रता प्रदान करने की दृष्टि से क्या प्रयास प्रारंभ किए ?
(२) माउंटबेटन योजना के विषय में जानकारी लिखो ।
(३) मुस्लिम लीग ने १६ अगस्त का दिन प्रत्यक्ष कृति दिन के रूप में मनाने की घोषणा क्यों की ? उसके क्या परिणाम हुए ?

उप म

विभिन्न संदर्भ ग्रंथों और अंतरजाल की सहायता से स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात सामान्य जनता की क्या प्रतिक्रियाएँ थीं; इस विषय में जानकारी प्राप्त करो ।

❁❁❁

9CF22G